To mark the Death Anniversary of
Chandra Mohan Jain,
popularly known as

OSHO

(11·12·1931 to 19·01·1990)

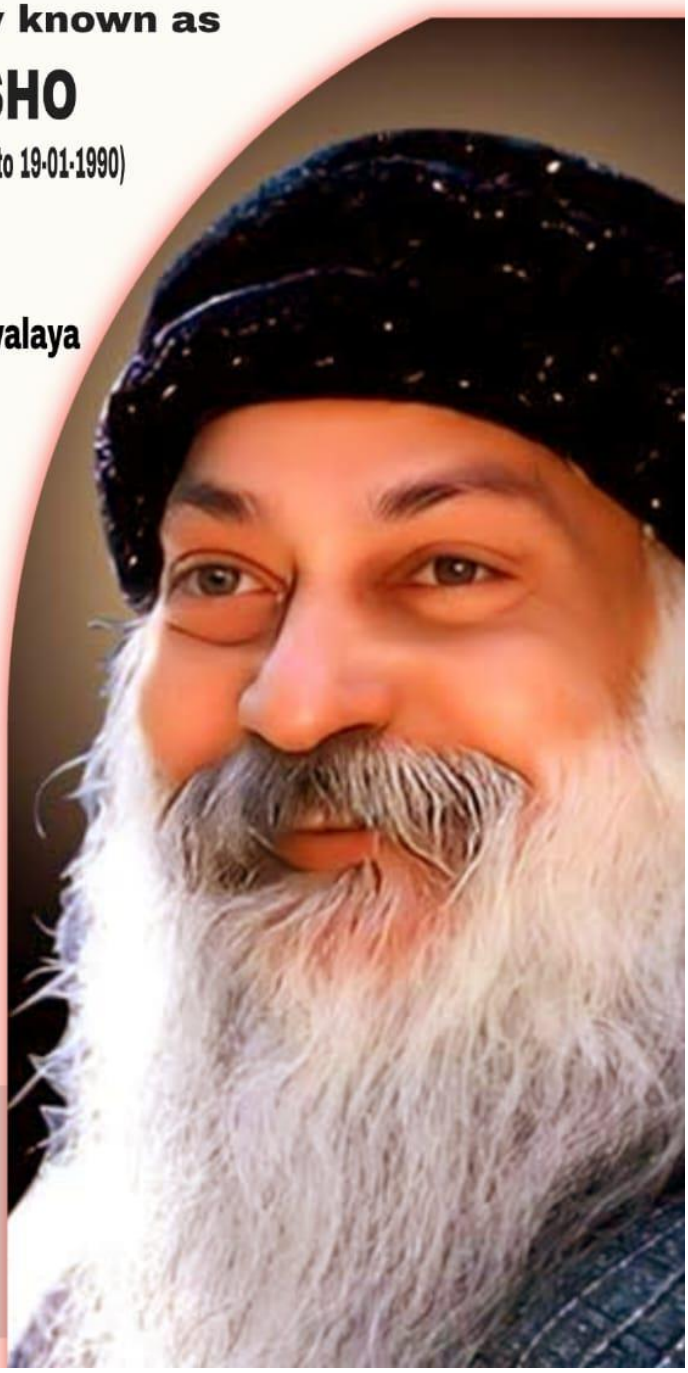

Department of Philosophy
Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya
Sagar, MP

invites you all to a discussion

on

The Art of Dying

20th January, 2025
10:30 am onwards
Seminar Hall
Philosophy Department

दर्शनशास्त्र विभाग में ओशो की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में चर्चा सत्र का आयोजन किया गया

मनुष्य अपने ऊपर संसार के बोझों को लिए चलता है, ओशो उन बोझों से मनुष्य को निर्भार करते हैं। प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा

दर्शनशास्त्र विभाग में आज दिनांक 20 जानवरी 2025 को ओशो की पुण्यतिथि (दिनांक 19 जनवरी 2025) के उपलक्ष्य में एक चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस चर्चा सत्र का शीर्षक The Art of Dying था जिसमें दर्शन विभाग एवं अन्य विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपने-अपने मत रखे। इस चर्चा सत्र की शुरूआत करते हुए विभागाध्यक्ष, डॉ. अनिल कुमार तिवारी ने कहा कि मृत्यु स्थूल शरीर का बिछडना है क्योंकि जन्म में इससे संयोग होता है। विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. ए.डी. शर्मा के अनुसार ओशो रजनीश मनुष्य की counselling करते हैं। प्रो. शर्मा ने कहा कि मनुष्य अपने ऊपर संसार के बोझों को लिए चलता है, ओशो उन बोझों से मनुष्य को निर्भार करते हैं। कार्यक्रम का समापन डॉ. अर्चना वर्मा, डॉ. देवस्मिता चक्रबर्ती, डॉ. सत्यनारायण देवलिया एवं डॉ. नरेन्द्र कुमार बौद्ध ने ओशो पर अपने विचार रखते हुए किया।

विवि के दर्शनशास्त्र विभाग में ओशो की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में चर्चा सत्र का हुआ आयोजन

मनुष्य अपने ऊपर संसार के बोझों को लिए चलता है, ओशो उन बोझों से मनुष्य को निर्भार करते हैं- प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा

ज्योति शर्मा,भास्कर केसरी

सागर। दर्शनशास्त्र विभाग में ओशो की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में एक चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस चर्चा सत्र का शीर्षक 'द आर्ट ऑफ़ डाईंग' था जिसमें दर्शन विभाग एवं अन्य विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपने-अपने मत रखे। इस चर्चा सत्र की शुरूआत करते हुए विभागाध्यक्ष, डॉ. अनिल कुमार तिवारी ने कहा कि मृत्यु स्थूल शरीर का बिछडना है क्योंकि जन्म में इससे संयोग होता है। विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. ए.डी. शर्मा के अनुसार ओशो रजनीश मनुष्य की काउंसलिंग करते हैं। प्रो. शर्मा ने कहा कि मनुष्य अपने ऊपर संसार के बोझों को लिए चलता है, ओशो उन बोझों से मनुष्य को निर्भार करते हैं। कार्यक्रम का समापन डॉ. अर्चना वर्मा, डॉ. देवस्मिता चक्रबर्ती, डॉ. सत्यनारायण देवलिया एवं डॉ. नरेन्द्र कुमार बौद्ध ने ओशो पर अपने विचार रखते हुए किया।

Jan 20, 2025, 12:35